IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# उत्तर–प्रदेश में पर्यटनः धार्मिक सर्किटों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

[1]अभय प्रताप सिंह

[2]डॉ अर्चना त्रिपाठी

[3]निशी इफ्तिखार

[1]शोध छात्र, भूगोल विभाग, सी0एम0पी0 डिग्री कॉलेज

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज(उत्तर प्रदेश)

[2]सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, सी0एम0पी0 डिग्री कॉलेज

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज(उत्तर प्रदेश)

शोध छात्रा भूगोल विभाग, सी0एम0पी0 डिग्री कॉलेज

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज(उत्तर प्रदेश)

**सारांश**

पर्यटन एक ऐसी यात्रा है जो मनोरंजन या फुरसत के समय का आनंद उठाने के उद्देश्यों से की जाती है। धार्मिक पर्यटन, पर्यटन उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो आमतौर पर विशेष धर्मों के अनुयायियों से संबंधित होता है।

उत्तर–प्रदेश हिन्दू तीर्थयात्रा गंतव्य का केंद्र रहा है यहां बड़ी संख्या में तीर्थयात्री कुम्भ के अलावा– मथुरा, वृंदावन, सारनाथ, अयोध्या, नैमिषारण्य, कुशीनगर, कौशांबी आदि में एकत्रित होते हैं। प्रदेश मुस्लिम पवित्र स्थानों का भी केंद्र है जो प्रदेश के छोटे–बड़े शहरों मे देखने को मिलता है। साथ ही प्रदेश में ईसाई के प्रमुख चर्च भी हैं। शोध–पत्र में उत्तर प्रदेश में पर्यटन के साथ ही धार्मिक सर्किटों बौद्ध सर्किट ,रामायण सर्किट, ब्रज सर्किट, अवध सर्किट, विंध्य–वाराणसी सर्किट, जैन सर्किट और सिख सर्किट आदि का अध्ययन किया गया है।

शोध–पत्र में उत्तर प्रदेश में 2017–2021 के मध्य घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि और कोविड के कारण पर्यटकों की संख्या में कमी का आकलन किया गया है। उत्तर प्रदेश में पर्यटन को लेकर खास तौर पर धार्मिक पर्यटन को लेकर सरकार की नीतियों का उल्लेख किया गया है वही पर्यटन के संदर्भ में कमियों जैसे कि उचित अवसंरचना की कमी, प्रबंधन की कमी, सही नियम तथा नीतियों का अभाव आदि का उल्लेख है जिसकी वजह से पर्यावरणीय और सांस्कृतिक कमी दिखती है।

**मूलशब्द**– धार्मिक सर्किट,बौद्ध सर्किट ,रामायण सर्किट, ब्रज सर्किट, अवध सर्किट, विंध्य–वाराणसी सर्किट, धार्मिक पर्यटन

## प्रस्तावना

विश्व पर्यटन संगठन (World tourism Organization)के अनुसार पर्यटक वे लोग हैं, जो ''यात्रा करके अपने सामान्य वातावरण से बाहर के स्थानों में रहने जाते हैं, यह यात्रा ज्यादा से ज्यादा एक वर्ष के लिए मनोरंजन, व्यापार, अन्य उद्देश्यों से की जाती है।''

"प्रारंभ में पर्यटन शब्द का प्रयोग मुख्यतः धनी तथा उच्च मध्यम आाय वर्ग के लोगों के लिये होता था, जो अपने अवकाश के समय का आनंद लेने के लिए यात्रा करते थे, लेकिन वर्तमान में ऐसी यात्राएं या भ्रमण वास्तविकता बन गया है, इनमें सभी वर्ग के लोग शामिल हैं, पर्यटन अपने आप में एक अकेला शब्द नहीं है। सम्पूर्ण रूप से पर्यटक का प्रवास अल्पकालिक होता है, जो कुछ दिनों, सप्ताह या कुछ माह का होता है। साधारण शब्दों में सुख प्राप्ति की क्रिया है, जिसकी प्राप्ति के लिए पर्यटक उस धन को व्यय करता है, जो उसने अपने स्थायी आवास में रहकर अर्जित किया है'' ।(नौशाबा,2019)

"धार्मिक पर्यटन विशेष धर्मों के अनुयायियों से संबंधित होता है जो उन स्थानों पर जाते हैं जिन्हें पवित्र स्थल मानते हैं। धार्मिक स्थलों का तीर्थयात्रियों के अलावा गैर–धार्मिक पर्यटकों द्वारा भी यात्रा किया जाता है क्योंकि उनका सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व होता है" ।(मुखर्जी,2019)

धार्मिक पर्यटन, पर्यटन का अग्रणी रूप है जो लगभग मानवता के साथ शुरू हुआ है। प्राचीन काल से धार्मिक स्थल न केवल सांस्कृतिक परिदृश्य का हिस्सा थे बल्कि वे स्थानीय विपणन और मेजबान स्थलों की अर्थव्यवस्था के प्रमुख भागों में भी एक महत्वपूर्ण कारक बन गए थे। सऊदी अरब में मक्का, पुर्तगाल में फातिमा और फ्रांस में लूर्डेस जैसे कुछ धार्मिक स्थल लाखों धार्मिक पर्यटकों, धर्मार्थ कार्यकर्ताओं, मिशनरियों और मानवतावादियों को आकर्षित करते हैं जो गंतव्य में एक बड़ा वित्तीय लेनदेन बनाते हैं"। (सिंह,2021)

धार्मिक पर्यटन की कोई निश्चित परिभाषा देना कठिन है और इसका कारण यह है कि सांस्कृतिक और धार्मिक यात्रा को एक ही अर्थ में लिया जाता है, अधिकांश सांस्कृतिक पर्यटक अपने यात्रा कार्यक्रम के एक भाग के रूप में धार्मिक स्थलों की यात्रा करते हैं और इस प्रकार उन्हें धार्मिक पर्यटक कहा जाता है। धार्मिक पर्यटन का सामान्य अर्थ धार्मिक गतिविधियों या कला, संस्कृति, परंपराओं और वास्तुकला जैसे उत्पादों को प्रेरित करने के मुख्य उद्देश्य के साथ यात्रा करना है। धर्म और पर्यटन एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। पर्यटन का अग्रणी धार्मिक तीर्थ यात्रा के रूप में था जैसे कि ईसाई यरूशलेम की यात्रा करते थे और मुसलमान मक्का की यात्रा करते थे। धार्मिक इतिहास की खोज में यह पाया गया है कि प्रमुख धर्मों ने अपने स्वयं के धार्मिक विश्वासों को फैलाने के लिए एक आधार के रूप में विश्व स्तर पर पर्यटन को प्रोत्साहित किया है।

भारत में धार्मिक पर्यटन से तात्पर्य भारत में स्थित विभिन्न धर्मस्थलों से है। भारत एक विविधताओं का देश है और यहाँ कई धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं। विभिन्न धर्मों से संबंधित विभिन्न तीर्थस्थल भारत में विद्यमान हैं, जो कि मात्र धार्मिक आस्था वाले लोगों के ही नहीं अपितु पर्यटकों के लिए दर्शनीय तथा आस्था के केंद्र हैं।

## अध्ययन का उदेश्य

शोध के प्रमुख उदेश्य निम्न हैं–

1. उत्तर–प्रदेश में धार्मिक–पर्यटन सर्किटों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
2. उत्तर प्रदेश में घरेलू तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या तथा वृद्धि दर का आकलन करना।
3. भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों का आगमन तथा उनकी वृद्धि दर का अध्ययन।
4. धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों की विवेचना करना।

## शोध–विधि

शोध पत्र में आकड़ें द्वितीयक स्रोतों से लिए गए है जिसमें भारत पर्यटन आकड़ें 2022 के आकड़ें लिए गए हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में वर्ष 2015–21 के मध्य भारत में आने वाले पर्यटकों की संख्या तथा उनकी गत वर्ष की तुलना में वृद्धि दर का आंकलन किया गया है। साथ ही उत्तर प्रदेश में घरेलू तथा विदेशी पर्यटकों की वर्ष 2017 से 2021(भारत पर्यटन आकड़ें) तक के आकड़ें दिए गए हैं जिसमें वृद्धि दर सूत्र का प्रयोग करके गत वर्ष की तुलना में वृद्धि दर की गणना की गयी है। वर्ष 2020 में आये कोरोना महामारी की वजह से पर्यटन पर क्या प्रभाव पड़ा? यह भी, आकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट है। शोध–पत्र मुख्यतः द्वितीयक स्रोतों पर निर्भर करता है, जिसमें भारत पर्यटन आकड़ें, समाचार–पत्र, पत्र–पत्रिकाएं आदि को शामिल किया गया है।

## अध्ययन क्षेत्र

उत्तर प्रदेश 23°52′ उत्तरी अक्षांश से 31°28′ उत्तरी अक्षांश तथा 77°51′ पूर्वी देशांतर से 84°38′ पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। राज्य का कुल क्षेत्रफल 2,40,928 वर्ग किलोमीटर है जो देश के कुल क्षेत्रफल का 7.33 प्रतिशत है। राज्य का पूर्व से पश्चिम तक का विस्तार 650 किमी. तथा उत्तर से दक्षिण तक का विस्तार 240 किमी. है। उत्तर प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि के आधार पर चौथा सबसे बड़ा राज्य है। 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश भारत में सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है, जहां हिन्दुओं और मुसलमानों दोनों की संख्या सबसे अधिक है। 2011 में राज्य की कुल जनसंख्या में से हिन्दू 79.7 प्रतिशत, मुसलमान 19.3 प्रतिशत, सिख 0.3 प्रतिशत, ईसाई 0.2 प्रतिशत, जैन 0.1 प्रतिशत, बौद्ध 0.1 प्रतिशत और अन्य 0.3 प्रतिशत थे।

## उत्तर–प्रदेश में धार्मिक पर्यटन सर्किट

उत्तर–प्रदेश भारत की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक विरासत के साथ आध्यात्मिक तथा दैवीय शक्ति का केन्द्र रहा है। यहां भगवान श्रीराम, कृष्ण और पांच जैन तीर्थकरों का भी जन्म हुआ, बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था तथा अपने जीवन का अंतिम समय व्यतीत किया था, उत्तर–प्रदेश सिख, जैन तथा अन्य धर्म के लिए हमेशा से पर्यटन का केंद्र रहा है उत्तर–प्रदेश मे अनेक प्रकार के धार्मिक स्थान तथा विभिन्य आस्थाओं को मनाने वाले लोगों की संख्या है, यहां लोगों को मन की शांति के साथ ही धार्मिक विश्वास जागृत होता है, उत्तर–प्रदेश अभी भी पर्यटन की दृष्टि से अपनी क्षमताओं का दोहन नहीं कर सका है। प्रारम्भिक रूप से उत्तर–प्रदेश हिन्दू तीर्थयात्रा गंतव्य का केंद्र रहा है यहां बड़ी संख्या मे तीर्थयात्री एकत्रित होते है ,चार प्रमुख कुम्भ आयोजनों मे से एक का आयोजन बारह वर्ष मे एक बार प्रयागराज मे होता है, तथा अर्धकुंभ का भी आयोजन छः वर्ष मे एक बार होता है। यहा संसार का सबसे बड़े धार्मिक जन समूह एकत्र होता है। उत्तर–प्रदेश मे कुम्भ के अलावा भी बहुत से पर्यटन केंद्र है जैसे– मथुरा, वृंदावन, सारनाथ, अयोध्या, नैमिषारण्य, कुशीनगर, कौशांबी आदि। प्रदेश केवल हिन्दू देवी देवताओं का केंद्र ही नहीं है बल्कि मुस्लिम पवित्र स्थानों का भी केंद्र रहा है जो प्रदेश के छोटे–बड़े शहरों मे देखने को मिलता है। साथ ही प्रदेश भर मे बहुत सारे प्रमुख चर्च भी हैं, लखनऊ में सेंट जोसेफ कैथीड्रल चर्च, सेंट गैरिसन चर्च, एपिफनी चर्च, सेंट्रल मेथोडिस्ट चर्च, लालबाग मेथोडिस्ट चर्च, दुआ का घर आदि प्रमुख हैं।

उत्तर–प्रदेश में केवल हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई के साथ ही साथ बौद्ध धर्म से जुड़े स्थान भी महत्वपूर्ण हैं, अपितु प्रदेश में धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए सरकार ने प्रदेश भर मे कई पर्यटन सर्किट का निर्माण किया है अधोलिखित सारणी –१ में विभिन्न्य धार्मिक सर्किटों का विवरण दिया गया है।

सारणी–१: उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन सर्किट

| क्रम–संख्या | धार्मिक सर्किट | स्थलों की संख्या | स्थानों का नाम |
|---|---|---|---|
| 1 | बुद्ध सर्किट | 6 | 1. कपिलवस्तु 2. कौशांबी 3. सारनाथ 4. संकीशा 5. श्रावस्ती 6. कुशीनगर |
| 2 | रामायण सर्किट | 3 | 1. अयोध्या 2. श्रंग्वेरपुर 3. चित्रकूट |
| 3 | ब्रज–आगरा सर्किट | 3 | 1. आगरा 2. मथुरा 3. वृंदावन |
| 4 | अवध सर्किट | 3 | 1. देवाशरीफ 2. नैमिषारण्य 3. अयोध्या |
| 5 | विंध्य–वाराणसी सर्किट | 2 | 1. वाराणसी 2. चुनार–विंध्याचल |
| 6 | सिख सर्किट | 7 | 1. बरेली 2. मिर्जापुर 3. जौनपुर 4. वाराणसी 5. मथुरा 6. कानपुर 7. गढ़मुक्तेश्वर |
| | | | |

स्रोत– उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग

उपरोक्त सारणी में यह स्पष्ट होता है कि उत्तर प्रदेश में सिख सर्किट के स्थलों की संख्या सर्वाधिक 7 है वही द्वितीय स्थान पर बुद्ध सर्किट है जहां स्थलों की संख्या 6 है। उसके बाद रामायण, अवध, विंध्य–वाराणसी, ब्रज–आगरा व अन्य सर्किट हैं जहां संख्या क्रमशः 3–3 ही है।

## बौद्ध सर्किट

उत्तर प्रदेश भगवान बुद्ध की उपस्थिति से काफी समृद्ध हो गया है। राज्य ने बुद्ध के जीवन की दो महत्वपूर्ण घटनाओं को देखा है सारनाथ में उनका पहला उपदेश और कुशीनगर में महापरिनिर्वाण। इसके अलावा, बुद्ध ने इस राज्य में बड़े पैमाने पर शिक्षण और उपदेश दिया। इस प्रकार, उत्तर प्रदेश में बौद्ध धर्म की मजबूत जड़े तथा धार्मिक महत्व है जो इसे दुनिया में एक महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थस्थल बनाने में योगदान देता है।

## रामायण सर्किट

रामायण भगवान श्रीराम से संबंधित है, सर्किट राम के जन्म स्थान(अयोध्या), गुरुकुल, पत्नी देवी सीता के घर साथ ही उन सभी स्थानों के बारे में बताता है जहां भगवान राम गए। रामायण सर्किट 9 राज्यों और भारत के 15 शहरों से संबंधित है। 15 गंतव्य में उत्तर प्रदेश के अयोध्या, श्रृंगवेरपुर और चित्रकूट हैं तथा अन्य राज्यों में, बिहार में सीतामढ़ी, बक्सर और दरभंगा, मध्य प्रदेश में चित्रकूट, पश्चिम बंगाल में नंदीग्राम, ओडिशा में महेंद्रगिरि, छत्तीसगढ़ में जगदलपुर, तेलंगाना में भद्राचलम, तमिलनाडु में रामेश्वरम, कर्नाटक में हम्पी और महाराष्ट्र में नासिक आदि हैं।

## अवध सर्किट

अवध–लखनऊ सर्किट उत्तर प्रदेश तीर्थ सर्किट का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है, यह वह स्थान है जिसे भारत में नहीं बल्कि पूरे विश्व में शांति, सद्भाव के रूप में जाना जाता है। उत्तर प्रदेश के मध्य में स्थित, इस क्षेत्र की अपनी संस्कृति, भोजन, साहित्य और आध्यात्मिकता है जो इसे वैश्विक पहचान देता है। अवध में विभिन्य स्मारक, आध्यात्मिक स्थल और प्राकृतिक सौन्दर्य है जो सभी को आकर्षित करते हैं। इस सर्किट में तीन महत्वपूर्ण स्थल– देवाशरीफ, नैमिषारण्य और अयोध्या है।

## विंध्य–वाराणसी सर्किट

विंध्य–वाराणसी सर्किट उत्तर प्रदेश के दक्षिण–पूर्वी भाग में स्थित है। वाराणसी दुनिया के सबसे प्राचीन जीवित शहरों में से एक है। गंगा के किनारे स्थित, यह शहर हिंदुओं, जैनियों और बौद्धों के लिए एक पवित्र स्थान है। पहाड़ों की विंध्य श्रृंखलाएं उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों में फैली हुई हैं। इस क्षेत्र का न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है बल्कि खनिज सम्पदा के मामले में भी यह सबसे समृद्ध है।

## सिख सर्किट

उत्तर प्रदेश कई महत्वपूर्ण धर्मों के लिए पवित्र हैं जिसमें सिख भी एक है। राज्य में कई सिख मंदिर हैं जो धर्म के लिहाज से और ऐतिहासिक रूप से काफी महत्वपूर्ण हैं। विशाल राज्य में कई शहरों और कस्बों में सिख तीर्थ स्थान बिखरे हुए हैं जहां एक तीर्थयात्री तीर्थ यात्रा करने के लिए जा सकता है और उन शक्तिशाली सिख गुरुओं की कहानियों के बारे में भी जान सकता है। उत्तर प्रदेश के बरेली में गुरु तेग बहादुर को समर्पित कई गुरुद्वारे मिलते हैं। मिर्जापुर, जौनपुर, मथुरा, कानपुर और गढ़मुक्तेश्वर कुछ ऐसे स्थान हैं।

## जैन सर्किट

उत्तर प्रदेश की विशाल भूमि भी जैन तीर्थों से समृद्ध है। छह जैन तीर्थंकरों का जन्मस्थान यहाँ रहा है, जिसमें ऋषभनाथ अजीतनाथ, अभिनंदननाथ, सुमतिनाथ, अनंतनाथ और पार्श्वनाथ, पहले पांच अयोध्या से हैं, वाराणसी को 23 वें जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जन्मस्थान होने का आशीर्वाद प्राप्त था। जैन मंदिरों में सबसे प्रसिद्ध शांतिनाथ मंदिर है। इसे उत्तर प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण जैन धार्मिक स्थल भी माना जाता है। राज्य में देवगढ़ के अलावा मेरठ में भी जैन तीर्थ स्थल देखे जा सकते हैं – वाराणसी, मुजफ्फरनगर, बागपेट, बटेश्वर, कंपिल, सारनाथ और खुखुंदू आदि।

सारणी–२: भारत में अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकों का आगमनः(2015–2021)

| क्रम संख्या | वर्ष | अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकों(मिलियन में) | वृद्धि दर (प्रतिशत में) | रैंक |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2015 | 13.76 | 5.0 | |
| 2 | 2016 | 15.03 | 9.2 | 24 वां |
| 3 | 2017 | 16.81 | 11.8 | 26 वां |
| 4 | 2018 | 17.42 | 3.6 | 26 वां |
| 5 | 2019 | 17.91 | 2.8 | 23 वां |
| 6 | 2020 | 6.33 | –64.7 | 25 वां |
| 7 | 2021 | 7.00 | 10.6 | 19 वां |

स्रोत– भारत पर्यटन आकड़ें–2022

चित्र–१ भारत में अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकों का आगमनः(2015–2021)

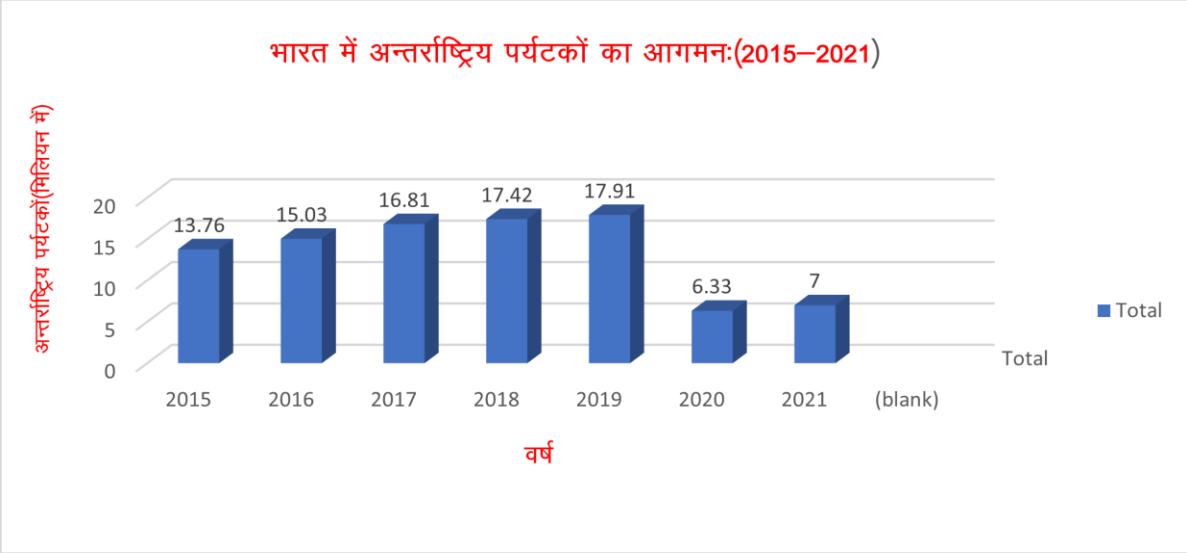


स्रोत– भारत पर्यटन आकड़ें–2022

भारत पर्यटन की लिहाज से हमेशा से समृद्ध रहा है, यह प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में पर्यटक आते हैं। पिछले कुछ वर्षों से विदेशी पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ी है वर्ष 2015 में अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकों की संख्या 13.76 मिलियन थी, वही 2016 में 15.03 मिलियन हो गई, जो 2017 में बढ़कर 16.81 मिलियन हो गयी, 2018 में 17.42 मिलियन, 2019 में 17.91 मिलियन हो गयी। विदेशी पर्यटकों की वृद्धि दर भी क्रमशः वृद्धि हुई वर्ष 2015 में पिछले वर्ष की तुलना में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वही 2016 में 9.2 प्रतिशत की, 2017 में 11.8ः की जो लगातार बढ़ते क्रम में वृद्धि दिखा रहा है आगे भी यह वृद्धि जारी है परंतु घटते क्रम में जैसेकि वर्ष 2018 में वृद्धि 3.6 प्रतिशत, 2019 में 2.8 प्रतिशत रही। परंतु कोरोना महामारी की वजह से घरेलू तथा विदेशी परिवहन के बंद होने से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र पर्यटन उद्योग ही रहा जिसके वजह से वर्ष 2020 में मात्र 6.33 मिलियन विदेशी पर्यटक ही भारत आए, जो वर्ष 2019 की तुलना में –64.75 प्रतिशत कम था, वर्तमान में स्थिति में सकारात्मक सुधार दिख रहा है तथा वर्ष 2021 में पर्यटकों की संख्या 7.0 मिलियन हो गई जो 2020 की तुलना में 10.6 प्रतिशत की सकारात्मक सुधार दिखा रहा है।

सारणी–३ःउत्तर प्रदेश में घरेलू तथा विदेशी पर्यटक(2017–2021)

| क्रम संख्या | वर्ष | घरेलू पर्यटक (मिलियन में) | | विदेशी पर्यटक (मिलियन में) | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | संख्या(मिलियन में) | वृद्धि दर(प्रतिशत) | संख्या(मिलियन में) | वृद्धि दर(प्रतिशत) |
| 1 | 2017 | 239 | | 3.5 | |
| 2 | 2018 | 285 | 19.25 | 3.7 | 5.71 |
| 3 | 2019 | 535 | 87.72 | 4.7 | 27.02 |
| 4 | 2020 | 86 | –83.9 | 0.8 | –83 |
| 5 | 2021 | 109 | 26.74 | 0.04 | –95 |

स्रोत– भारत पर्यटन आकड़ें–2022

चित्र–२ उत्तर प्रदेश में घरेलू तथा विदेशी पर्यटक(2017–2021)

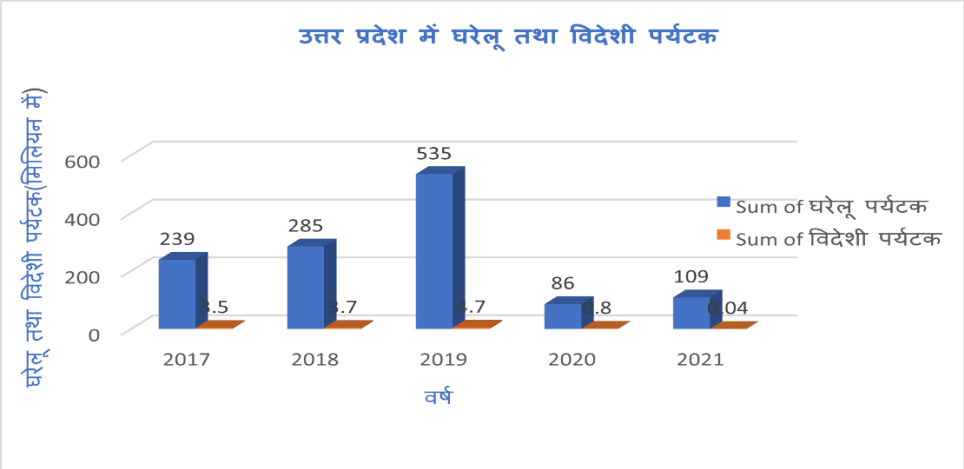


स्रोत– भारत पर्यटन आकड़ें–2022

विदेशी पर्यटकों के मामले में, जहां 2017 में 3.5 मिलियन विदेशी पर्यटक उत्तर प्रदेश आये, वही 2018 में 3.7, 2019 में 4.7 मिलियन, लेकिन कोरोना के कारण वर्ष 2020 में मात्र 0.8 मिलियन विदेशी पर्यटक उत्तर प्रदेश आये वही वर्ष 2021 में यह आंकडा 0.04 मिलियन तक गिर गया। घरेलू पर्यटकों के मामले में उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 में 239 मिलियन, 2018 में 285 मिलियन, 2019 में यह बढ़कर 535 मिलियन हो गया, परंतु 2020 में कोविड–19 की वजह से यह आंकडा प्रभावित रहा और मात्र 86 मिलियन पर्यटक ही उत्तर प्रदेश आये, 2021 में सुधार हुआ तथा संख्या बढ़कर 106 मिलियन हो गई। स्पष्ट है की घरेलू तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या में वर्ष 2017 से 2019 तक लगातार बढ़ते क्रम में वृद्धि हुई है परंतु 2020 में तेजी से कमी हुई घरेलू पर्यटकों की संख्या में 2021 में कुछ सुधार दिखा परंतु विदेश पर्यटकों की संख्या में कमी बनी रही। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 से 2019 घरेलू तथा विदेशी पर्यटकों में वृद्धि देखी जा रही है वही 2020 में कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2020 कमी आई, वर्ष 2020 व 2021 में विदेशी पर्यटकों की संख्या में क्रमशः –83 प्रतिशत और –95 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

भारत तथा उत्तर प्रदेश में विदेशी पर्यटकों की तुलना करने पर पता चलता है कि दोनो में 2017 से 2019 तक वृद्धि हो रही है तथा 2020 से 2021 में कमी पर यदि भारत के संदर्भ में देखा जाय तो तो वर्ष 2020 में जहां पिछले वर्ष की तुलना में –64.7 प्रतिशत कमी हुई वही 2021 में 2020 की तुलना में 10.6 प्रतिशत की सकारात्मक सुधार दिखा रहा। उत्तर प्रदेश में 2020 में कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2020 कमी आई, वर्ष 2020 व 2021 में विदेशी पर्यटकों की संख्या में क्रमशः –83 प्रतिशत और –95 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। अतः स्पष्ट है कि भारत में सुधार तेजी से हुआ परंतु उत्तर प्रदेश में अपने स्थानीय कारणों से यह सुधार नहीं हो पा रहा है।

## उत्तर प्रदेश में पर्यटन के विकास हेतु सरकार की कार्ययोजना

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश मे कार्ययोजनाओं का संचालन किया जा रहा है जो निम्न हैं –

- ☐ उत्तर प्रदेश सरकार की धार्मिक पर्यटन स्थलों को हेलिकाप्टर से जोड़ने की योजना।
- ☐ लखनऊ–प्रयागराज–वाराणसी–आगरा को कम लागत की हवाई सुविधा से जोड़ना।
- ☐ उत्तर प्रदेश सरकार की वन–स्टॉप–ट्रैवल नीति। –
- ☐ उत्तर प्रदेश सरकार की प्रस्तावित 500 पर्यटन क्षेत्र का विकास।
- ☐ अन्तर्राष्ट्रिय हवाई अड्डों का विकास, उड़ान योजना से छोटे–बड़े हवाई अड्डों को जोड़ना– गोरखपुर–कोलकाता–काठमांडू–सिंगापुर–बैंकाक को बुद्धिस्ट पर्यटन सर्किट से जोड़ना।
- ☐ दीपोत्सव– राम की पैड़ी, प्रतिवर्ष बड़े पैमाने पर मनाया जाना।
- ☐ मथुरा के गोवर्धन को हेलिकाप्टर सुविधा से जोड़ना।
- ☐ रामलीला को बढ़ावा देना,घाटों का विकास, वाराणसी में बाबा विश्वनाथ गलियारे का विकास.

☐ अयोध्या में गलियारे का विकास, भगवान श्रीराम की भव्य प्रतिमा का निर्माण, साथ ही विभिन्य सुविधाओं का विकास प्रगति पर।

## समस्याएं

- उत्तर प्रदेश में पर्यअकों आगंतुकों की निम्नलिखित समस्याएं हैं–
  - पर्यटन स्थलों पर अपर्याप्त सहायक सड़क और रेल नेटवर्क,अपर्याप्त मार्ग, कई यात्री स्थानों के लिए हवाई और रेल के माध्यम से कनेक्टिविटी
  - होटलों में कमरों की उपलब्धता का आभाव
  - प्रशिक्षित कर्मचारियों का उपहास
  - उचित स्वच्छता और गुणवत्ता के साथ विशेष रुप से प्रदर्शित खाद्य दुकानों की अनुपयुक्त सुविधा,पर्यटन स्थलों पर अनुपयुक्त और अस्वच्छ सार्वजनिक शौचाल, धार्मिक स्थलों में पर्यटक स्थलों का अनुचित रखरखाव
  - खराब अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली
  - पर्यटकों के लिए सुरक्षा माप का अभाव
  - प्रमाणित और प्रशिक्षित गाइडों की अपर्याप्तता
  - खराब विज्ञापन और पर्यटन का प्रचार
  - पर्यटक स्वागत केंद्रों का अभाव
  - खराब स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं

## निष्कर्ष एवं सुझाव

शोधपत्र का उदेश्य 'धार्मिक सर्किटों का अध्ययन, उनकी समस्याएं तथा संभावनाएं, पर्यटकों की संख्या तथा सरकारी नीतियों का अध्ययन' जिसमें अध्ययन यह दिखाता है कि उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के लिहाज से काफी समृद्ध है यहाँ धार्मिक पर्यटन के आधार पर बहुत सारे सर्किट है रामायण सर्किट उसी प्रकार बौद्ध, ब्रज, अवध, विंध्य–वाराणसी, जैन, सिख आदि सर्किटों के माध्यम से उत्तर प्रदेश में पर्यटन का विकास हुआ है।

प्रदेश में धार्मिक पर्यटन की वजह से यातायात सुविधाओं, तथा विभिन्य अवसंरचनात्मक सुविधाओं का विकास भी हुआ है। साथ ही ट्रैवल एजेंट टूर संचालक पर्यटन उद्योग के आवश्यक अंग है एसिलिए यह आवश्यक है की ट्रैवल एजेंटों व टूर संचालकों को मान्यता देने वाले नियमों में सरलता व उदारता लाई जाय। उत्तर प्रदेश में पर्यटन को लेकर खास तौर पर धार्मिक पर्यटन को लेकर सरकार की नीतिओं का उल्लेख किया गया है वही पर्यटन के संदर्भ में कमियों जैसेकि उचित अवसंरचना की कमी, सड़क परिवहन पर्यटन का महत्वपूर्ण अंग है साथ ही वातानुकूलित बसों की व्यवस्था, रेल परिवहन का विकास। प्रबंधन की कमी को दूर किया जाना चाहिये पर्यटकों के आवागमन सुविधाओं की व्यवस्था, उचित होटल सुविधा आदि। सांस्कृतिक पर्यावरण के क्षेत्र में प्रदेश की अक्षुणय विरासत, गौरवमय इतिहास के अवशेष, भारतीय परम्परायें, रस्में, खान–पान, जीवन, कलाकृतियाँ पर्यटन से प्रभावित हो रही हैं।

## संदर्भ सूची

1. परवीन, नौशाबा (2019) 'पर्यटन भूगोलः एक अध्ययन' , आर के बुक्स, अभ्यास–1,3,6,10,11

2. सिंह सुरभि (2021) ' भारत में धार्मिक पर्यटन– अतीत, वर्तमान और भविष्य' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हिन्दी रिसर्च', पृष्ट संख्या 2455–2232

3. भारत पर्यटन आकड़ें,2022 ,पर्यटन मंत्रालय ,भारत सरकार ,पृष्ट संख्या–11, अभ्यास 2,भारत में अन्तर्गमी पर्यटन

4. उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, पर्यावरणीय पर्यटन विभाग

5. Adav,seema (nov 2021) "an analysis of attractions inventory in prayagraj districts" department of economics, university of allahabad

6. Mohan rajiv(2021) 'acase study of ecotourism regions of up', ijcrt

7. Syamala g and kakoti shivam(2016) 'a study on religious tourism- potential and posibilitities with reference to shirdiah aplace of religious tourism', online international interdisiciplinary resarch journal (oiirj), issn 2249-9598,volue-6,issue-3,2016

8. Chattopadhyaya, monisha (2006), 'religious tourismah an introduction," religion and tourism-perspective,' the icfai university press, hyderabad, pdf file,

9. Ahamad sahab, joseph s t and brako prince(2019) 'a comprehensive study on religious tourism in up' , impactahinternational journal of research in huminities,arts and literature(impactahijrhal), issn 2347-4564, ol-7,issue-4,april 2019

10. Ijayanand s,(2012) 'socio-economic impacts in pilgimage tourism' international journal of multidiciplinary research(ijmr),ol-2,issue-1

11. Mukherji subhadeep,singh seema and das ashim(2019) 'spiritual tourism at benarus- the heart of spiritual india', review of research, vol-8,issue-5

12. Chawla chanchal,jha radhey shyam,(2019) ' avenues & problems of tourism in uttar pradesh', research gate